नवभारत

संस्थापक - स्व. श्री रामगोपाल माहेश्वरी

पृष्ठ : 16 | बिलासपुर, शनिवार, 6 मई 2006 | मूल्य : 3.00 रुप

आईआईपीईएम की प्रेसवार्ता

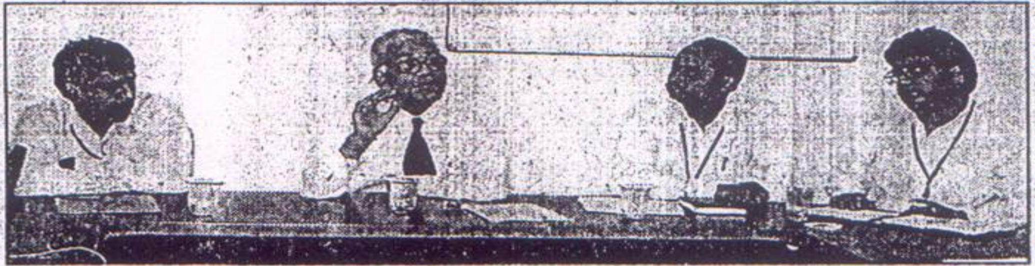

आईआईपीईएम की प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए आईआईपीईएम के अधिकारी. फोटो पाल

राउरकेला. कांसबाहाल में स्थित इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ प्रोडक्सन मैनेंजमेंट की स्थापना गत 1983 में आईसीआईसीआई, एलएंडटी तथा उड़ीसा सरकार की संयुक्त सौजन्य से किया गया था. इस संस्था का प्रमुख उद्देश्य है इंजीनियरिंग तथा प्रबंधन के क्षेत्र में पेशेवर शिक्षा, प्रशिक्षण तथा कंसल्टेंसी सेवा प्रदान करना. इस संस्था का प्रशिक्षण कार्यक्रम घरेलु स्तर के साथ साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी काफी लोकप्रिय है. जिसमें एनटीपीसी, एनएचपीसी, एनएमडीसी, नालको, पावर ग्रीड, केईसी इंटरनेशनल, आईओसी, जिंदल स्टील एवं पावर, टाटा स्पंज इत्यादि नामी गिरामी कंपनियों द्वारा अपने लोगों को नियमित तौर से यहां प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है. आज कांसबाहाल में स्थित आईआईपीईएम परिसर में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए एलएंडटी के उपाध्यक्ष श्री एपी मिश्र ने यह जानकारी प्रदान की. उन्होंने बताया कि आईआईपीएम ही देश की एकमात्र ऐसी संस्था है जहां पर एक ही छत के नीचे वाईब्रेशन मोनिटरिंग एनालिसिस एवं इनसीटु डायनेमिक बैलेंसिंग, वीयर डिब्रीस एनालिसिस एवं लुब कंडीशन मॉनीटरिंग, थर्मल स्कैनिंग एवं हीट ऑडिट तथा मोटर करंट एनालिसिस जैसी चार डायग्नोस्टिक तकनीक उपलब्ध है. उन्होंने बताया कि सभी बड़ी कंपनियों द्वारा उनकी संस्था की सेवा ली जा रही है. जिनमें गैल, ओएनजीसी, एनटीपीसी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, स्टरलाईट, एनएचपीसी, रिलायंस इत्यदि कंपनियां शामिल हैं. उन्होंने बताया कि उनकी संस्था उत्तम प्रयोगशाला तथा अत्याधुनिक उपकरणों से उद्योगों की सेवा करने के लिए तत्पर है. इसके साथ साथ उन्होंने यह भी बताया कि संस्था की ओर से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में एक साल का पीजी डिप्लोमा तथा मेंनटेंनस प्रबंधन तथा कंडीशन मॉनीटरिंग में भी छह महीनों का कोर्स शुरु किया गया है. श्री मिश्र ने बताया कि इस पाठ्यक्रम के वर्तमान बैच के छात्रों को एलएंडटी, एलस्टोम, आनंद ग्रुप, जेके पेपर, हाडेन इंटरनेशनल, सिंप्लेक्स लि. ओसीएल इंडिया, भूषण स्टील इत्यादि में प्रशिक्षण के साथ साथ प्लेसमेंट की सुविधा भी दी जा रही है. इस अवसर पर उन्होंने संस्था से जुड़ी अन्य खूबियां भी गिनाई. इस प्रेसवार्ता में श्री आरएन पाल ने स्वागत भाषण प्रदान किया. जबकि डॉ. एमआर नायक ने वर्ष 2005-06 की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला. अंत में श्री जेके श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया.